दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

UPHIN51019

3 गोरखपुर में रात में आया तूफान, कई जगह पेड़ गिरे

5 लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा, नोकझोंक

8 वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड का नाम रखे जाने पर गदगद हुए रोहित शर्मा

वर्ष: 02, अंक: 43 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 21 अप्रैल, 2025

गोरखपुर में सीएम योगी की बड़ी सौगात

सीएम योगी ने एम्स में 500 बेड की क्षमता वाले विश्राम सदन का किया शिलान्यास

गोरखपुर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। उसकी पहचान ही संवेदना से है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है। यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। उसकी पहचान ही संवेदना से है। चिकित्सक की संवेदना गंभीर से गंभीर मरीज की आधी बीमारी को दूर कर सकती है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों को यह नसीहत भी दी कि वे बेवजह मरीजों को हायर सेंटर रेफर करने की प्रवृत्ति से बचें और मरीज को क्रिटिकल केयर उपलब्ध कराने में रिस्क लेने की आदत डालें।

सीएम योगी शुक्रवार दोपहर बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के परिसर में 500 लोगों की क्षमता वाले विश्राम सदन (रैन बसेरे) का भूमि पूजन–शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। 44.34 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा। इसका निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर निधि से कराया जा रहा।

शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान डॉक्टर के व्यवहार के माध्यम से संवेदना का केंद्र भी होता है। संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज भर्ती होने आता है तो उसके साथ कम से कम 3 या 4 अटेंडेंट होते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो कई बार अटेंडेंट की संख्या 10 तक हो जाती है। ऐसे में मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट को आश्रय की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 500 बेड के विश्राम सदन के शिलान्यास के साथ ही गोरखपुर एम्स को एक नई उपलब्धि प्राप्त हुई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम योगी –

वटवृक्ष वन चुका है 2016 में एम्स के रूप में रोपा गया बीज

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स गोरखपुर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2016 में किया था। 2019 में एम्स गोरखपुर का पहला मैच एडमिशन लिया था और 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एम्स का लोकार्पण किया था। 2016 में जो बीज एम्स के रूप में गोरखपुर में रोपा गया था, आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीड़ितों को आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एक नया जीवनदान देने का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर में होगा, यह एक कल्पना मात्र लगती थी। हम लोग 2003 से इस आवाज को उठा रहे थे। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे। एम्स दिल्ली के बाहर भी स्थापित होंगे, इसके लिए उन्होंने छह एम्स की घोषणा की थी। पर, उसके बाद यह क्रम थम सा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास के मंत्र का साकार रूप स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। देश के अंदर 22 नए एम्स पीएम मोदी के कार्यकाल में, 10 वर्षों में बने हैं या बन रहे हैं। उनमें से गोरखपुर एम्स भी एक है। गोरखपुर में एम्स बने, इसके लिए 2003 में उठाई गई आवाज को 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकार दिया।

कोई गर्मी, सर्दी, बारिश में खुले में रहे, यह अमानवीय

सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में एम्स गोरखपुर की ऑक्युपेंसी 75 से 80 प्रतिशत है। आईसीयू, क्रिटिकल केयर और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती होने वाले मरीज के परिजन उनके साथ नहीं रह सकते। उन्हें बाहर ही रहना पड़ता है।

इस कैम्पस में कम से कम 1200 लोग ऐसे होंगे जिनको बाहर जहां–तहां सिर छुपाने के लिए पटरी पर, सड़कों के किनारे या फिर किसी अन्य जगह पर जाकर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति खुले में गर्मी, सर्दी या बारिश झेलने को मजबूर हो तो यब अमानवीय लगता है। ऐसे में उन लोगों के बारे में सोचा जो अपने मरीज की पीड़ा के साथ यहां पर जुड़े हुए हैं। विश्राम सदन के रूप में हम ऐसी व्यवस्था बनाएं जहां पर अटेंडेंट को मिनिमम यूजर चार्ज पर रहने और सस्ती कैंटीन की सुविधा हो।

चिकित्सा संस्थानों में अटेंडेंट के लिए व्यवस्था होनी ही चाहिए

मुख्यमंत्री ने करीब डेढ़ वर्ष पहले लखनऊ में एसजीपीजीआई के अपने दौरे के दौरान सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों को देख उनकी व्यवस्था के लिए अटेंडेंट शेल्टर होम बनाने के निर्देश दिए थे। मन में आया कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू, बीएचयू में और एम्स गोरखपुर में पेशेंट अटेंडेंट के लिए कोई केंद्र बनने चाहिए। इसकी जिम्मेदारी अवनीश अवस्थी को दी गई। उन्होंने प्रयास शुरू किए तो पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल के लिए तीन रैन बसेरे दिए। पावर मिनिस्ट्री के सहयोग से एम्स गोरखपुर के लिए रैन बसेरा स्वीकृत हुआ।

याद दिलाया तीमारदारों के भोजन के लिए रियायती मॉडल

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 20 साल पहले इंसेफेलाइटिस के पीक समय में शुरू किए गए तीमारदारों के भोजन के लिए रियायती मॉडल का भी उल्लेख किया। कहा कि एक समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज इंसेफेलाइटिस का हॉटस्पॉट था। वहां पर समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पेशेंट आते थे। वहां पर बड़ी अव्यवस्था देखने को मिलती थी। लोगों के पास खाने के लिए भोजन नहीं होता था।

उस समय हम लोगों ने एक स्वयंसेवी संस्था से मिलकर व्यवस्था कराई थी। उस समय आठ रुपये में तीमारदारों के लिए दाल, चावल, रोटी, सब्जी की व्यवस्था शुरू की गई। उन्होंने कहा कि आज भी पेशेंट के अटेंडेंट को बीआरडी मेडिकल कॉलेज और गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय में भी दस रुपये में भरपेट दाल, चावल, सब्जी, रोटी की सुविधा आज भी प्राप्त हो रही है।

एम्स गोरखपुर की स्थापना के लिए सीएम योगी ने बहाया खून–पसीना – रविकिशन

सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि एम्स गोरखपुर की स्थापना का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को है। उन्होंने इस संस्थान के लिए अपना खून–पसीना बहाया है। जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमेशा से उनकी उच्च प्राथमिकता रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौनिहालों के लिए त्रासदी रही इंसेफेलाइटिस पर पूर्ण नियंत्रण इसका प्रमाण है।

दिल्ली पुलिस ने लेडी डान जिकरा को किया गिरफ्तार

सीलमपुर में 17 वर्षीय कुणाल की हत्या के मामले में पुलिस ने लेडी डॉन जिकरा को गिरफ्तार कर लिया है। इलाके में तनाव के चलते लोगों ने प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। मृतक के परिजनों ने जिकरा समेत चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में दो ही आरोपी दिख रहे हैं।

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम चाकू घोंपकर की गई 17 वर्षीय कुणाल की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। दिल्ली पुलिस ने लेडी डॉन जिकरा को गिरफ्तार कर लिया है।

इलाके में तनातनी का माहौल

बता दें कि इसके विरोध में लोगों ने धरमपुरा लाल बत्ती के पास सर्विस रोड पर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया और शाम को सीलमपुर में शाहदरा जीटी रोड, खजूरी चौक और मौजपुर चौक पर प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। इससे यातायात भी प्रभावित हुआ, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। मृतक के परिजनों ने खुद को लेडी डॉन कहने वाली जिकरा नामक महिला समेत चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में दो ही आरोपी दिखाई दे रहे हैं, जिनमें कोई महिला नहीं है। मृतक के परिजनों ने हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दिल्ली में योगी आदित्यनाथ सीएम होते तो अब तक हत्यारे एनकाउंटर में मारे जा चुके होते। जुमे की नमाज और प्रदर्शन को देखते हुए सीलमपुर जे ब्लॉक को छावनी में तब्दील कर दिया गया। इलाके में अर्धसैनिक बलों की दो कंपनियां और 400 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

कब आएगा हाई स्कूल और इंटर का रिजल्ट

उत्तर प्रदेश शिक्षा परिषद जल्द ही 1 0वीं और 1 2वीं के परिणामों की तारीख जारी कर सकता है। बोर्ड ने प्रशासन के पास प्रस्ताव भेजा है, जहां से मंजूरी मिलते ही तारीखों का एलान किया जा सकता है। इस साल 2 7 लाख, 3 2 हजार 2 1 6 परीक्षार्थियों ने हाई स्कूल और 2 7 लाख 5 हजार 1 7 परीक्षार्थियों ने इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी।

नई दिल्ली। *उत्तर प्रदेश 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र रिजल्ट का बेहद बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि यह इंतजार अब जल्द ही खत्म होने वाला है। यूपी बोर्ड रिजल्ट 2025 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। बोर्ड किसी भी समय परिणामों की तारीख जारी कर सकता है। यूपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की रिजल्ट डेट जारी करने के लिए प्रशासन को प्रस्ताव भेजा है। प्रशासन से मंजूरी मिलने के बाद तारीखों का एलान संभव है।*

यूपी के इस शहर में 1700 पुलिसकर्मी किए जाएंगे प्रशिक्षित

-पुलिस कमिश्नर ने ट्रेनिंग की परखी एक-एक तैयारियां
नए कानून, डिजिटल साक्ष्य के प्रशिक्षण पर रहेगा फोकस
महिला आरक्षियों के लिए बेहतर सुविधाएँ

संवाददाता, वाराणसी। आगामी जून–जुलाई माह में होने वाली रिक्रूट सिपाहियों की ट्रेनिंग की तैयारियों का हाल जानने गुरुवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल पुलिस लाइंस पहुंचे। उन्होंने रंगरूटों के प्रशिक्षण, आवासीय, भोजन व्यवस्था समेत बुनियादी जरूरतों संबंधी व्यवस्था को देखा। निर्देश दिए कि ट्रेनिंग में जवानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। कहा कि अनुभवी, दक्ष एवं विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षक रंगरूटों को शारीरिक व सैद्धांतिक प्रशिक्षण देंगे। 16 जून से जेटीसी (ज्वाइंट ट्रेनिंग सेंटर) और 21 जुलाई से आरटीसी (रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर) प्रशिक्षण की शुरुआत होगी।

निरीक्षण में इन बातों विशेष ध्यान देने के निर्देश

तीनों नये कानूनों, डिजिटल साक्ष्य व फारेंसिक टूल्स, साइबर अपराध के बारे में दे जानकारी।

शारीरिक प्रशिक्षण के तहत हार्स राइडिंग, स्वीमिंग, स्पोर्टस, फायरिंग, परेड ड्रिल का प्रशिक्षण दें ।

यूनिफार्म अनुशासन, आचरण, साफ्ट स्किल, कर्तव्यनिष्ठा व सेवा–भावना के साथ संवैधानिक मूल्यों को बताएं।

सम्पादकीय

क्या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं?

महज तीन साल पुरानी बात है जब बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय प्रमुख ने अपने अधीन समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र में छात्रों को गाय के गोबर के उपले बनाने का प्रशिक्षण देने के लिये कार्यशाला आयोजित की और खुद ही उसका वीडियो वायरल किया। इससे घटना से कुछ ही दिनों पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वाधिक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक हंसराज कॉलेज में महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर गौ संवर्धन एवं अनुसंधान केंद्र खोलने की खबर आई थी और इससे भी कुछ बरस पहले मध्यप्रदेश में एक संघनिष्ठ कुलपति ने शहर के बाहर बनने वाले विश्वविद्यालय के नये परिसर में गौशाला स्थापित करने का निर्णय कर लिया था। उन्होंने महापरिषद और प्रबंध समिति की मंजूरी के बिना गौशाला के संचालन के लिए अखबारों में निविदा विज्ञप्ति तक जारी कर दी थी, ये बात और है कि उस फैसले पर अमल नहीं किया जा सका। ये बातें याद इसलिये आईं कि सोशल मीडिया पर फिर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक महिला किसी कक्षा की दीवार पर गोबर लीप रही है। बताया गया कि ये मोहतरमा दिल्ली के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्य प्रत्यूष वत्सला हैं। वे संस्थान परिसर में गाय पालती हैं और अभी हनुमान जयंती पर कॉलेज में सुंदरकांड का पाठ भी उन्होंने करवाया। इतना ही नहीं, नवरात्र के दौरान वे कॉलेज में दुर्गा स्थापना भी करवाती हैं। किसी उच्च शिक्षा संस्थान में धार्मिक कर्मकांड का यह अकेला मामला नहीं है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय में, नये विभागाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण करने से पहले पूजा–पाठ करवाया। दूसरी तरफ तमिलनाडु के राज्यपाल ने संविधान और अपने पद की गरिमा के खिलाफ जाकर मदुरै के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों से जय श्रीराम का नारा लगवा दिया।

इन घटनाओं के बरक्स मेरठ,भागलपुर और शिमला में जो हुआ, उसे देखा जाना चाहिये। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा पिछले दिनों ईद मिलन समारोह आयोजित किया जाना था। इसका पता चलते ही एक छात्र नेता ने धमकी दी कि शिक्षा के मंदिर में किसी तरह के भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाना चाहिये और अगर विश्वविद्यालय परिसर में ईद मिलन का कार्यक्रम आयोजित होता है तो फिर वह खुद विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर हनुमान चालीसा का पाठ करेगा। इस धमकी का नतीजा यह हुआ कि ईद मिलन का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। भागलपुर के टीएनबी कॉलेज में शिक्षक संघ ने ईद मिलन समारोह का आयोजन किया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आपत्ति जताई और कहा कि नवदुर्गा के समय कॉलेज प्रशासन ने गरबा के लिये जगह नहीं दी थी, इसलिये कॉलेज में ईद मिलन भी नहीं होना चाहिये।

शिमला के एक निजी स्कूल में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के छात्रों के लिए ईद मनाने का कार्यक्रम तय किया था और इसके लिये छात्रों को कुर्ता–पायजामा, टोपी पहनकर आने और टिफिन में सेवइयां लाने को कहा गया था। स्कूल प्रशासन के इस निर्देश पर हिंदू संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने इसे हिंदू संस्कृति के खिलाफ साजिश बताया और कहा कि यह भारत के संविधान के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विरुद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्कूल ने अपना निर्देश वापस नहीं लिया गया तो स्कूल का घेराव किया जायेगा और कानूनी कार्रवाई भी की जायेगी। मजबूर स्कूल प्रबंधन ने ईद मनाने का कार्यक्रम को रद्द कर दिया। हालांकि उसने साफ किया कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक विविधता को समझाने और छात्रों को विभिन्न त्योहारों से परिचित कराने के उद्देश्य से किया जा रहा था।

क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि किसी शैक्षणिक परिसर में पूजा–पाठ, यज्ञ–हवन होने, धार्मिक ग्रंथों का पाठ करने, दुर्गोत्सव और गणेशोत्सव मनाने जैसे क्रियाकलाप हों तब किसी को याद नहीं आता कि कोई एक नहीं, बल्कि सारे ही शिक्षा संस्थान, शिक्षा के मंदिर हैं। संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा छात्रों से जय श्रीराम के नारे लगवाने पर किसी को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का ख्याल नहीं आता। लेकिन अगर कोई आयोजन दूसरे धर्म से जुड़ा हो और उससे सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ता हो तो बहुसंख्यकों को तुरंत अपना धर्म खतरे में नजर आने लगता है।

क्या इसके मायने ये हैं कि बहुसंख्यक मनमानी करें तो जायज है और अल्पसंख्यक अगर अपनी खुशियां भी बांटना चाहे तो बेजा हरकत! और क्या बच्चों को सर्वधर्म समभाव की सीख देना भी गुनाह हो गया है!

इन सब बातों से सवाल उठता है कि हमारे देश में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता अभी भी जिंदा हैं या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। अभी तक हमने दुनिया के कई मुल्कों में में और थोड़ी–बहुत अपने यहां भी, सत्ता की तानाशाही देखी है लेकिन अब समाज में इस प्रवृत्ति को पनपते देखना दुखद है।

समय से पहले आई खूबसूरती से क्यों भयभीत हैं पहाड़ के लोग

हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय क्षेत्र में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग

अगर पहाड़ों का सौंदर्य,तापमान, वर्षीय,बर्फ,बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा। हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय क्षेत्र में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग? क्यों उन्हें यह सुंदरता रास नहीं आ रही? खूबसूरती से क्यों नाखुश है पर्वतीय इलाकों के रहवासी और प्राकृतिक सौंदर्य के उपासक क्यों नहीं चाहते असमय प्रकृति की नेमत? ये ऐसे कुछ सवाल हैं जिनके जवाब हमें केवल पर्वतीय इलाकों के जानकार ही दे सकते हैं। आखिर, कोई तो बात होगी जिसके फलस्वरूप यहां के लोगों को प्राकृतिक सुंदरता रास नहीं आ रही?

हम बात कर रहे हैं कि पर्वतीय राज्यों के एक सुंदर वरदान की जिसका नाम है – बुरांश। बुरांश का पेड़ और इसके फूल हिमाचल सहित देश के तमाम पर्वतीय राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक संस्कारों से जुड़े हैं। बुरांश न केवल खूबसूरत है बल्कि सेहत की अनेक नेमतों से परिपूर्ण भी है। यह अर्थव्यवस्था का भी एक अनिवार्य हिस्सा है। बुरांश के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि आईआईटी मंडी और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नालॉजी (आईसीजीईबी) के शोधकर्ताओं ने बुरांश की पंखुड़ियों में मौजूद फाइटोकेमिकल्स की पहचान की है जो कोविड–19 वायरस को रोक सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि बुरांश के फूल में एंटीवायरल के गुण होते हैं, जो सार्स–सीओवी 2 से संक्रमित कोशिकाओं के इलाज में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि बुरांश के रस का सेवन दिल और लिवर के लिए फायदेमंद हो सकता है।

लेकिन हिमालय को मिला प्रकृति का यही उपहार यहां खतरे का संकेत दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यह फूल समय से पहले खिलने लगा है और यही पर्वतीय लोगों के साथ–साथ वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का सबब है। बुरांश का समय से पहले खिलना बर्फबारी कम होने का संकेत है और कम वर्षा का भी।

शिमला या इस जैसे तमाम पर्यटन स्थलों का सौंदर्य और आर्थिक प्रगति वहां होने वाले हिमपात पर निर्भर है। बीते कुछ सालों में न केवल शिमला सहित अधिकतर पर्वतीय इलाकों की सर्दी कम हुई है बल्कि बर्फबारी के दिन भी कम होते जा रहे हैं। पहले शिमला शहर में ही जमकर बर्फ गिरती थी लेकिन अब बर्फबारी कुफरी, ठियोग और नारकंडा की ओर खिसकते जा रही है। इससे पर्यटन पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या को विकराल बनाने में पहाड़ों का सीना चीरकर दौड़ रहे हजारों वाहनों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस सबसे, मौसम बदल रहा है और इसलिए बुरांश भी समय से पहले खिलने लगा है।

डाउन टू अर्थ पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक तापमान, वर्षा और बफर्बारी में आए बदलावों के प्रति बुरांश की संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाओं ने चिंता बढ़ा दी है। फूलों के खिलने के समय में बदलाव के लिए काफी हद तक बढ़ते हुए वैश्विक तापमान को जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके फलस्वरूप बदल रहे मौसम के तेवरों का नुकसान बुरांश के फूलों को उठाना पड़ रहा है। मसलन बारिश की कमी के कारण इनमें रसीलेपन का अभाव हो जाता है।

बुरांश के फूलों के फूलने की प्रक्रिया को समझे तो सामान्य रूप से जनवरी से फरवरी माह में वे कलियों के रूप में रहते हैं। चूंकि उस समय तापमान बहुत कम होता है और बहुत कम तापमान में कलियां खराब न हो जाए, इसके लिए प्राकृतिक तौर पर पंखुड़ियां सुरक्षा घेरे के रूप में कलियों को बाहर से ढंके रहती हैं। वे तभी हटती हैं, जब तापमान 20 से 25 डिग्री पर पहुंच जाता है। अनुकूल तापमान पाकर पेड़ का आंतरिक सूचना तंत्र (डीएनए) कोशिकाओं को संकेत भेजता है और फूलों के फूलने की प्रक्रिया के लिए हार्मोन्स सक्रिय हो जाते हैं।

यदि समय से पहले ही तापमान अधिक हो जाता है तो फूल के विकास पर असर पड़ता है और उसके रंग–रूप से लेकर आर्थिक और स्वास्थ्यप्रद गुणों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, अगर ये फूल समय से पहले यानी सर्दियों के अंत में ही खिलने लगते हैं तो उस समय मधुमक्खियां या परागण करने वाले कीड़े सक्रिय नहीं होते इसलिए परागण पूरी तरह नहीं हो पाता, जिससे पौधों के बीज या फल विकसित नहीं हो पाते।

तापमान में उतार–चढ़ाव से पहले से खिले फूल मुरझा जाते हैं या मर जाते हैं। बुरांश के फूलों के जल्दी खिलने का असर पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है। दरअसल, बुरांश के फूलों पर कई पक्षी, कीड़े और अन्य जीव आश्रित होते हैं। यदि फूल समय से पहले या अनियमित रूप से खिलते हैं, तो यह खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। बुरांश के फूलों का उपयोग रस और शरबत आदि बनाने में होता है। अनियमित फूलों की वजह से इनमें रस कम बनता है और किसानों और स्थानीय लोगों की कमाई भी प्रभावित होती है। यही लोगों की चिंता का कारण है। अब अगर पहाड़ों का सौंदर्य,तापमान, वर्षीय,बर्फ,बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

अपनी बेअदबी आमंत्रित करने वाले मोदी पहले प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया। नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके साथ किसी भी विपक्ष शासित राज्य के मुख्यमंत्री के रिश्ते सामान्य नहीं है। प्रधानमंत्री और विपक्षी मुख्यमंत्रियों के बीच टकराव के चलते कई बार दोनों तरफ से सामान्य शिष्टाचार भी नहीं निभाया जाता है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं जब प्रधानमंत्री की ओर बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक का विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया है। ऐसा भी कई बार हुआ है कि जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए तो वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की और प्रधानमंत्री के साथ सरकारी कार्यक्रम से भी दूरी बना कर रखी। हाल ही में प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा के दौरान भी ऐसा ही हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने की 6 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे थे, जहां राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन न तो उनकी अगवानी करने पहुंचे और न ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ पम्बन रेलवे ब्रिज के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की। इसकी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाषा के सवाल पर मुख्यमंत्री स्टालिन का अशोभनीय मजाक उड़ाया, जिससे केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, त्रिभाषा फॉर्मूला, परिसीमन जैसे मुद्दों पर जारी टकराव नए स्तर पर पहुंच गया।

मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया। उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि उनके पास तमिलनाडु के नेताओं के पत्र आते हैं लेकिन उन पर दस्तखत तमिल में नहीं होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा कि श्तमिल गौरवश बना रहे, इसके लिए कम से कम तमिल में दस्तखत करना तो शुरू करें।

सवाल है कि क्या देश के प्रधानमंत्री को ऐसी बातें करनी शोभा देती हैं? वे खुद भाषाई आधार पर बने एक राज्य से आते हैं लेकिन क्या गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए गुजराती भाषा का गौरव बढ़ाने के लिए उन्होंने कभी गुजराती में दस्तखत किए? प्रधानमंत्री ने स्टालिन को चिढ़ाने के लिए उन्हें मेडिकल की पढ़ाई तमिल में कराने की कटाक्ष भरी नसीहत भी दी। सवाल है कि सारे देश में हिंदी को प्रमुखता दिलाने में लगी मोदी सरकार मेडिकल और इंजीनियरिंग का एक भी बैच हिंदी में पढ़ाकर निकाल सकती है?

बहरहाल, यह पहला मौका नहीं था जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए और वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की या उनके सरकारी कार्यक्रम से अपने को दूर रखा। हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं। साल 2022 में तेलंगाना में दो बार ऐसा हुआ जब प्रधानमंत्री के दौरे से तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने को दूर रखा। उसी साल प्रधानमंत्री दो बार महाराष्ट्र के दौरे पर गए लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उनकी अगवानी नहीं की।

उसी साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री पंजाब के बठिंडा पहुंचे थे तो वहां भी उनकी अगवानी के लिए सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मौजूद नहीं थे। उससे पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही हुआ था, जब प्रधानमंत्री चक्रवाती तूफान का जायजा लेने बंगाल पहुंचे थे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके साथ समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। मोदी से उनके संबंधों की यह तल्खी साल 2002 में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में भी देखी गई थी। ममता बनर्जी के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री की मौजूदगी में श्जय श्रीरामश के नारे लगे थे, जिससे नाराज होकर वे अपना भाषण पूरा किए बगैर ही कार्यक्रम छोड़ कर चली गई थीं।

इसी तरह 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रधानमंत्री ने कई मुख्यमंत्रियों को फोन किया था। उसी सिलसिले में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टेलीफोन किया था तो उसके बाद मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा था कि प्रधानमंत्री सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, बेहतर होता कि वे काम की बात करते और काम की बात सुनते। यही शिकायत करते हुए छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की जो बैठकें होती हैं, उनमें सिर्फ वन–वे होता है। प्रधानमंत्री सिर्फ अपनी बात कहते हैं, मुख्यमंत्रियों की बात का कोई जवाब नहीं मिलता। इन सब वाकयों के और पीछे जाएं तो साल 2015 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री को कायर और मनोरोगीश्तक कह दिया था।

प्रेमिका की मौजूदगी में लावारिश की तरह हुआ अंतिम संस्कार

गोरखपुर। पीट–पीटकर जिस प्रदीप कुमार साहनी की हत्या कर दी गई थी वह 8 सालों से अपने घर नहीं जाता था। परिवार के लोग उससे इस कदर नाराज थे कि हत्या के बाद भी नहीं पसीजे। पुलिस ने पिता को पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन उन्होंने एक लाइन में कह दिया कि उनका कोई मतलब नहीं। पोस्टमार्टम के बाद जब प्रदीप का शव सौंपने की बारी आयी तो फिर पिता से संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने शव लेने से इनकार कर दिया। परिवार ने शव नहीं लिया तो तथाकथित प्रेमिका ने शव लिया और उसे लेकर राप्ती नदी के किनारे राजघाट पर पहुंच गई। वहां प्रेमिका के परिजन भी थे लेकिन इन सबके बीच प्रदीप के शव का अंतिम संस्कार एक लावारिश शव के रूप में हुआ। श्मशान पर रहने वाले डोमराजा ने पुलिस के कहने पर चिता में आग लगाई। बाकी दूर बैठे रहे।

प्रेमिका के घर ही रहता था प्रदीप

प्रदीप कुमार साहनी सहजनवा थाना क्षेत्र के सेमराडाडी के रहने वाले थे। घर में उनके पिता रमेश कुमार व एक भाई भी हैं। लेकिन वह शिल्पा से इस कदर प्रभावित हुए कि उसी के मायके में रहने लगे। लगातार 8 साल तक उनका अपने घर से कोई मतलब नहीं रहा। आमतौर पर इस दुनिया से जाने के बाद परिवार के लोग स्वीकार कर लेते हैं लेकिन प्रदीप के पिता ने मरने के बाद भी उन्हें स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

पुलिस को भी नहीं थी उम्मीद

पुलिस को भी इस बात की उम्मीद नहीं थी कि प्रदीप के पिता उनका शव लेने से इनकार कर देंगे। पोस्टमार्टम होने के बाद जब शव को सिपुर्द करने की बारी आयी तो प्रदीप साहनी के पिता रमेश कुमार से संपर्क किया गया। लेकिन उन्होंने शव लेने से स्पष्ट मना कर दिया। यह जवाब पुलिस के लिए भी आश्चर्यचकित करने वाला था। फिलहाल प्रदीप का अंतिम संस्कार हो चुका है। अब सवाल यह उठ रहा है कि ब्रह्मभोज कौन करेगा?

घाट पर बैठी रही शिल्पा यादव

शिल्पा यादव के मायके में ही प्रदीप कुमार रहता था। गांव वाले और आसपास के लोग प्रदीप को शिल्पा के प्रेमी के रूप में ही देखते थे लेकिन शिल्पा इस बात से इनकार कर रही है। वह इस बात पर जोर देते नजर आ रही है कि वह न तो लिव इन में प्रदीप के साथ रहती थी और न ही वह उसके प्रेमी थे। शिल्पा का कहना है कि प्रदीप उनका व उनके बच्चों का खर्च भी देखते थे। घर पर ही रहते थे। घर का काम भी करते थे और वीडियो बनाने में सहयोग करते थे। शिल्पा ने कहा कि लोग जो बोल रहे हैं, वो सही नहीं है।

6 लोग हिरासत में, खंगाले जा रही सीडीआर

इस मामले में सहजनवा पुलिस ने मुख्य अभियुक्त राम सिंह से जुड़े 6 लोगों को हिरासत में लिया है। सर्विलांस की मदद से उनके मोबाइल नंबर का सीडीआर खंगाला जा रहा है। इससे पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। इधर राम सिंह को पकड़ने के लिए चार टीमें लगाई गई हैं। देर रात तक दबिश जारी रही।

गोरखपुर में रात में आया तूफान, कई जगह पेड़ गिरे

दिन में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट, दो दिन बाद बदलेगा मौसम

गोरखपुर। देर रात तूफान आया। इससे कई जगह पेड़ टूटकर गिर गए। आम के बागों में बड़ी संख्या में अमिया गिर गईं। इससे आम बागवानों को नुकसान हुआ है। इस दौरान बिजली भी खूब कड़की। शहर की बिजली आधे घंटे से ज्यादा समय के लिए गुल रही। मौसम विभाग के अनुसार, आज दिन में बादल छाए रहेंगे। दो से तीन बार बारिश की संभावना है।

रात का तूफान शुरू होते ही शहर की बिजली कट गई। करीब आधे घंटे से ज्यादा तूफान चला जिसमें लोगों की छतों पर रखे सामान टूट गए। गमले गिर गए। सोलर पैनल उड़ गए। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना है। बादलों की गरज–चमक भी बनी रहेगी। वहीं, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। 24.5 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। यह सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक रहा है।

बारिश सम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि यूपी में अगले दो दिनों तक बादलों की गरज–चमक के साथ में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक पूर्वी यूपी में 40–50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। जबकि पश्चिमी यूपी में 40 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इस दौरान बादलों की गरज चमक भी बनी रहेगी। न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, जबकि अधिकतम तापमान में कई जगहों पर 2 डिग्री तक बढ़त रहेगी। इस दौरान कई जगहों पर अगले कुछ दिनों तक तापमान स्थिर बना रहेगा।पश्चिम यूपी में बारिश शुरू हो चुकी है।

तेज हवा रहेगी। परसों से कम होगा। परसों से कम होगी। यूपी के ऊपर साइक्लोनिक प्रेशर है। इसके कारण पूर्वी हवा का प्रभाव बढ़ा है। पश्चिमी और पूर्वी हवा के इंटरेक्शन के चलते यह स्थिति बदली है।

तस्वीरों में देखिए मौसम और सवेरे का हाल

गोरखपुर से अयोध्या तक नहीं लगेगा झटका उखाड़कर बनाई जा रही नई सड़क

गोरखपुर से अयोध्या तक की सड़क यात्रा अब और भी सुगम होगी। एनएचएआई द्वारा गोरखपुर संतकबीरनगर और बस्ती में 45 किलोमीटर तक खराब सड़क को उखाड़कर नई सड़क बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना पर 140 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसका लक्ष्य वर्षा से पहले काम पूरा करना है। इससे अयोध्या धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को भी काफी सहूलियत होगी।

50 से सौ मिलीमीटर की मोटाई में उखाड़ी जा रही सड़क, 140 करोड़ रुपये से कराया जा रहा है निर्माण कार्य

जागरण संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर से अयोध्या तक सड़क मार्ग से जाने पर झटका नहीं लगेगा। गोरखपुर और बस्ती मंडल में 45 किलोमीटर लंबाई में खराब हुई सड़क को उखाड़कर नई सड़क बनाने का काम शुरू हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) काम करा रहा है। इस पर 140 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वर्षा का मौसम शुरू होने के पहले काम पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर से लखनऊ तक फोरलेन सड़क का निर्माण तकरीबन 20 वर्ष पहले हुआ था। सीसी के साथ ही डामर से सड़क बनाई गई है। वर्षा के मौसम में सड़क में कई जगह पर गड्ढे बन जाते हैं। पिछले वर्ष बने गड्ढों को पैचिंग कर भरा गया था लेकिन वर्षा के मौसम में फिर समस्या को देखते हुए खराब सड़क को फिर से बनाने का निर्णय लिया गया था।

गोरखपुर से अयोध्या तक आधुनिक मशीन की सहायता से सड़क की ऊपरी परत को 50 से 100 मिलीमीटर मोटाई में उखाड़ा जा रहा है। इसके बाद नई सड़क बनाई जा रही है ताकि मजबूती अच्छी हो जाए। इससे अयोध्या धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को भी काफी सहूलियत होगी।

बस्ती में सड़क सबसे ज्यादा खराब

गोरखपुर के जीरो प्वाइंट कालेसर से अयोध्या तक राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 110 किलोमीटर है। एनएचएआई के अनुसार बस्ती में 30 और गोरखपुर व संतकबीरनगर में 15 किलोमीटर लंबाई में सड़क ज्यादा खराब है। बस्ती में सड़क की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पिछले वर्ष वर्षा के मौसम में सड़क खराब होने से बहुत दिक्कत हुई थी। गोरखपुर से अयोध्या तक खराब सड़क को उखाड़कर फिर से नया बनाया जा रहा है। इस पर 140 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। बस्ती में सड़क ज्यादा खराब है। संतकबीरनगर और गोरखपुर में भी खराब हुई सड़क को उखाड़कर नया बनाया जा रहा है।

–ललित प्रताप पाल, परियोजना निदेशक, एनएचएआइ

गोरखपुर अयोध्या राजमार्ग पर पुरानी सड़क को हटाती मशीन, सौजन्य एनएचएआई

गोरखपुर अयोध्या राजमार्ग पर बनाई जा रही सड़क, सौजन्य एनएचएआई

दूल्हे ने जयमाल पर दुल्हन को गालियां दीं

मैनपुरी। मैनपुरी में जयमाल के दौरान स्टेज पर दूल्हे ने दुल्हन को गालियां दे दीं। दूल्हे की इस हरकत से नाराज होकर दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। बड़े–बुजुर्गों ने दोनों पक्षों को समझाया।

काफी देर तक बातचीत का दौर चला, लेकिन दुल्हन मानने को तैयार नहीं थी। मामला किशनी थाने तक पहुंचा। थाने में भी दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की गई। दुल्हन ने कहा, दूल्हा नशे में है। वह अपनी शादी में शराब पीकर आया है, आगे क्या ही करेगा? लड़की के घरवाले भी शादी करने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद दूल्हा बिना ब्याह के लौट गया।

कमरे में मिले दंपती के शव बिलख रही थी 20 दिन की बेटी

आगरा। आगरा के शाहगंज के आजमपाड़ा में पायल कारखाना संचालक और उनकी पत्नी के शव मिले हैं। पास में 20 दिन की बेटी बिलख रही थी। मौत से पहले व्यापारी ने व्हाट्सएप पर अपने साले को ऑडियो क्लिप भेजी थी। आगरा के शाहगंज के आजमपाड़ा में बृहस्पतिवार को चांदी पायल कारखाना संचालक विनय उर्फ वीरू (24) और उनकी पत्नी डॉली (21) के शव घर में मिले। डॉली ने 20 दिन पहले बेटी को जन्म दिया था। बेड पर बच्ची रो रही थी। मौत से पहले वीरू ने अपने साले को व्हाट्सएप पर ऑडियो क्लिप भेजी थी, जिसमें वो अपने परिजन पर लड्डू में जहर देने की बात कह रहा था।

पुलिस ने कमरे से आधा लड्डू बरामद किया है। इसे जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा। उधर, डॉली के परिजन ने विनय के परिजन पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद ससुरालीजन व मायके के लोग भिड़ गए। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। जांच की जा रही है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। सिकंदरा के गांव अटूस की डॉली (21) की शादी आजमपाड़ा के विनय उर्फ वीरू (24) के साथ फरवरी 2024 में हुई थी। डॉली के भाई संदीप ने बताया कि शादी के बाद से ही परिजन बाइक और रुपये मांग रहे थे। वीरू गिलेट की पायल बनाने का काम करता था। उसका पास में ही कारखाना था। घर में आए दिन झगड़े होते थे। आरोप लगाया कि विनय के भाई राम और टीटू कारखाना हथियाना चाहते थे। बहन गर्भवती हालत में थी, लेकिन एक ही घर में रहने के बाद भी सास, जेठानी, ननद ने देखभाल तक नहीं की।

बेटी पैदा करने का ताना देती थीं सास और जेठानी

20 दिन पहले एसएन अस्पताल में ऑपरेशन से बहन ने बच्ची को जन्म दिया था। तब से उत्पीड़न और ताने

मृतक दंपती के फाइल फोटो

और बढ़ गए। सास और जेठानी बेटी पैदा करने का ताना देती थीं। इससे पति–पत्नी तनाव में रहते थे। दो दिन पहले झगड़ा होने पर बहन डॉली मायके आई थी। वह बुधवार की सुबह ही ससुराल लौटी थी।

साले को आडियो क्लिप भेजा

बृहस्पतिवार को सुबह 11:27 बजे वीरू ने साले को ऑडियो क्लिप भेजा कि चार लोगों ने हमें कुछ खिला दिया है, जल्दी आ जाओ। लेकिन वह पेपर देने गया था। उसे आने में देर हो गई। वह पुलिस को लेकर घर पहुंचा तब तक बहन और बहनोई की मौत हो चुकी थी।

कमरे में रो रही थी बच्ची

बच्ची कमरे में रो रही थी। सास भी बाहर ही बैठी थी। एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी का कहना है कि आजमपाड़ा में दंपती की संदिग्ध हालात में मौत हुई है। विनय ने मृत्यु से पहले अपने साले को एक वॉयस क्लिप भेजी थी। इसमें वो अपने 4 परिजन का नाम ले रहा है। कह रहा है कि उसकी हत्या की जा सकती है। उन्हें लड्डू में जहर मिलाकर खिला दिया गया है। परिजन की तहरीर के आधार पर जांच की जाएगी।

जहरीले लड्डू से मौत का अंदेशा, नमूना लिया

पुलिस ने बताया कि दोनों पास में ही मृत पड़े थे। उनके होंठ नीले थे। पास में बच्ची रो रही थी। पास में एक लड्डू रखा मिला, जिसका कुछ हिस्सा खा लिया गया है। प्रतीत होता है कि इसी जहरीले लड्डू के सेवन से मौत हुई है। लेकिन इस लड्डू में कौन सा जहरीला पदार्थ मिलाया गया। किसने खिलाया, यह जांच का विषय है। फॉरेंसिक टीम ने लड्डू को कब्जे में लिया है।

दो दिन पहले भाइयों में हुआ था झगड़ा

संदीप ने पुलिस को बताया कि दो दिन पहले कारखाने पर राम और टीटू ने ताला लगा दिया था। इस पर विनय से झगड़ा हुआ था। चौकी पुलिस तीनों को ले गई थी। तब वह चौकी पर पहुंचे थे और तीनों में राजीनामा कराकर घर लाए थे। उन्हें क्या पता था कि भाई ही जान के दुश्मन बन जाएंगे। संदीप ने बताया कि दोनों भाइयों को यह पसंद नहीं था कि विनय कारखाना चलाए, वह हिस्सा मांग रहे थे। जबकि विनय की मां अपनी बेटियों को हिस्सा देने की बात कहती थी। इसी को लेकर विनय से घरवालों ने संबंध लगभग खत्म कर दिए थे।

हर्षा रिछारिया फूट–फूटकर रोई

अलीगढ़ में पदयात्रा रोकी

अलीगढ। हर्षा रिछारिया संभल नहीं जा सकेंगी। प्रशासन ने बुलंदशहर से आगे जाने की अनुमति नहीं दी है। अब वह नरौरा से गंगा स्नान करने के बाद लौट जाएंगी।

गुरुवार को अलीगढ़ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के आगमन के चलते हर्षा की पदयात्रा को रोक दिया गया था, लेकिन बाद में सशर्त उन्हें आगे जाने दिया गया।

17 अप्रैल को हर्षा रिछारिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रोते हुए एक वीडियो अपलोड किया। उन्होंने लिखा– धर्म के रास्ते पर चलना इतना आसान नहीं होता। परीक्षा, त्याग, समर्पण के बिना कुछ प्राप्त नहीं होता।

उन्होंने लिखा– ये आंसू किसी तकलीफ के नहीं हैं बल्कि तीसरे दिन की पदयात्रा पूरी करने की और हरिगढ़ (अलीगढ़) पहुंचने की खुशी के हैं।

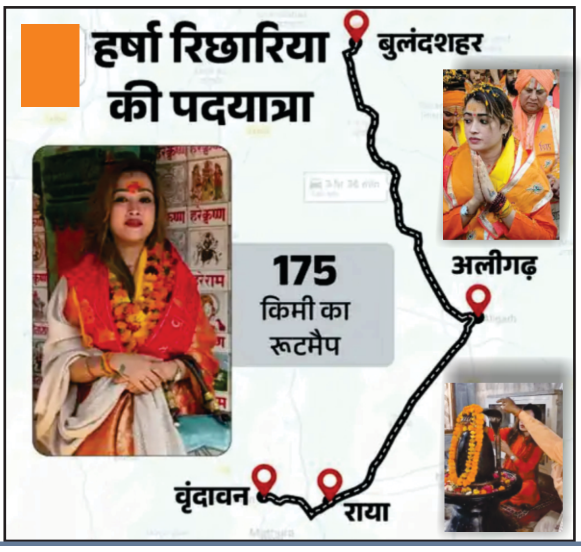

हापुड़। यूपी के हापुड़ में हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर पुलिस कंट्रोल रूम में घटना की जानकारी दी. आरोपी पति ने पुलिस को फोन कर बताया कि हेलो सर पत्नी की हत्या कर दी है. मुझे गिरफ्तार कर लो.

सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर पत्नी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.जानकारी के मुताबिक, हापुड़ के मोहल्ला रफीक नगर में रहने वाले राशिद अली का निकाह करीब 11 साल पहले नाजमीन से हुआ था. बताया जा रहा है कि राशिद और नाजमीन के तीन बच्चे हैं. इसमें सबसे बड़े बेटे की उम्र 9 साल है. राशिद अली का आएदिन अपनी पत्नी से घरेलू विवाद रहता था. बताया जा रहा है कि पत्नी मायके जाने की जिद करती थी और राशिद उसे जाने से मना किया करता था. .गुरुवार की रात को भी दोनों में जमकर लड़ाई हुई. इसके चलते शुक्रवार की तड़के चार बजे राशिद ने पुलिस के कंट्रोल रूम नंबर 112 पर पुलिस को फोन कर सूचना दी कि उसने अपनी पत्नी नाजमीन की गला दबाकर हत्या कर दी है.

पुलिस आकर उसे गिरफ्तार कर ले. सूचना मिलते ही हापुड़ की नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने राशिद को मौके से गिरफ्तार कर लिया और मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि रफीक नगर में एक महिला की उसके पति द्वारा हत्या किये जाने की पुलिस को सूचना मिली थी.

सूचना पर पुलिस पहुंची, तो घर में महिला का शव पड़ा हुआ था, जबकि आरोपी पति भी घर में ही मौजूद था. पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है. सीओ ने बताया कि आरोपी के द्वारा नशा आदि किया जाता था, जिसकी वजह से घर में आएदिन दोनों पति–पत्नी के बीच झगड़ा रहता था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दुनिया के हालात बदलेंगे यूपी के डिफेंस सेक्टर की तस्वीर

25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का होगा निर्यात

लखनऊ। वैश्विक उथल–पुथल के बीच यूपी के डिफेंस सेक्टर में असीम संभावनाएं देखी जा रही हैं। अनुमान है कि अगले चार साल में प्रदेश से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का निर्यात किया जाएगा। दुनिया भर में रक्षा के मामले में देशों के आत्मनिर्भर बनने की प्रवृत्ति ने डिफेंस सेक्टर को सात गुना बढ़ा दिया है। यही वजह है कि रक्षा क्षेत्र के उद्यमी यूपी के डिफेंस कॉरिडोर को विश्व के प्रमुख निर्यातक बाजार के रूप में देख रहे हैं। अगले चार वर्ष में सिर्फ यूपी से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों का निर्यात होगा। प्रदेश में डिफेंस सेक्टर में ड्रोन, जहाज से लेकर तोपें और गोला बारूद बन रहे हैं। विश्व में अनिश्चितता का माहौल है। रही–सही कसर अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरी कर दी है। इससे देशों में आत्मनिर्भर बनने की होड़ मची है। हर मुल्क इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है।

वैश्विक उथल–पुथल के बीच यूरोपीय देशों में हथियारों की खरीद तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सबसे तेजी से डिफेंस कॉरिडोर विकसित करने का लाभ यूपी को मिल सकता है। इस सेक्टर में असीम संभावनाएं हैं। ये आंकलन रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों का है।

एमकेयू के चेयरमैन मनोज गुप्ता कहते हैं कि डिफेंस कॉरिडोर के साथ एक्सप्रेसवे के किनारे भी रक्षा इकाइयों को जमीन देने से राज्य के रक्षा उत्पादों के निर्माण में 20 फीसदी की ग्रोथ अगले एक साल में आएगी। उन्होंने कहा कि अदाणी, ब्रह्मोस, भारत डायनामिक के साथ 50 से ज्यादा रक्षा उत्पादक कंपनियों ने यूपी में निवेश किया है। कुछ में उत्पादन भी शुरू हो गया है। अमेरिका की टैरिफ रणनीति के बाद वहां से उत्पाद महंगे होंगे, लेकिन भारत में सस्ते होंगे। रक्षा उद्यमी अविनाश सिंह का मानना है कि सरकारी नीतियों ने इस सेक्टर की ग्रोथ में तेज वृद्धि की है। यही वजह है कि अगले चार वर्ष में सिर्फ यूपी से 25 हजार करोड़ के रक्षा उत्पादों को निर्यात होने का अनुमान है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा, नोकझोंक

दिल्ली में सामान छूटने पर भड़के, पूरा स्टाफ समझाता रहा

यात्रियों के सामान के साथ उनके बच्चों के कपड़े भी छूट गए

लखनऊ। एयरपोर्ट पर सामान न मिलने पर यात्रियों ने हंगामा कर दिया।इस दौरान इंडिगो के कर्मचारियों से तीखी नोकझोंक हुई। करीब डेढ़ घंटे तक कर्मचारी यात्रियों को समझाते रहे, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे। यात्री बार–बार एयरलाइंस के मैनेजर को बुलाने की मांग करते रहे। हंगामे की सूचना पर इंडिगो के असिस्टेंट मैनेजर मौके पर पहुंचे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यात्रियों का सामान उनके घर तक भिजवा दिया जाएगा। इसके बाद ही यात्री शांत हुए। इंडिगो की फ्लाइट भोपाल से शाम 4:50 बजे उड़ान भरकर 6:20 बजे दिल्ली पहुंचनी थी, लेकिन मंगलवार को यह तीन घंटे देरी से दिल्ली पहुंची। इसके बाद दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की फ्लाइट रात 9:30 बजे रवाना होकर 10:40 बजे लखनऊ पहुंचनी थी। मगर वह भी 1 घंटे 20 मिनट की देरी से लखनऊ पहुंची। भोपाल से दिल्ली पहुंचे यात्रियों का लगेज दिल्ली से लखनऊ आने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट में लोड नहीं किया गया। वह सामान दिल्ली में ही छूट गया।

यात्रियों का हंगामा, कहा–जिम्मेदारों पर एक्शन हो

लखनऊ पहुंचने पर जब यात्रियों ने अपने सामान के बारे में जानकारी मांगी। इस पर एयरलाइंस के कर्मचारियों ने बताया कि उनका सामान दिल्ली में रह गया है। इस पर यात्री भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। यात्री कहने लगे कि एयरलाइंस के मैनेजर को बुलाया जाए और सामान न मिलने का हर्जाना दिया जाए। इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइंस से इस तरह की लापरवाही की उम्मीद नहीं थी। मामले की जांच हो और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए।

डेढ़ घंटे बाद माने यात्री

इंडिगो कर्मचारियों ने बताया कि लगेज लोड करने वाले कर्मचारियों की गलती से यह चूक हुई है। करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद सामान घर तक पहुंचाने के आश्वासन पर यात्री शांत हुए। यात्रियों ने यह भी बताया कि फ्लाइट में देरी के बावजूद उन्हें समय पर खाना नहीं दिया गया। विरोध के बाद कुछ लोगों को ही खाना मिल सका। जब उन्होंने एयरलाइंस अधिकारियों का फोन नंबर मांगा, तो उन्हें वह भी नहीं दिया गया।

शाहजहांपुर में बहू की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

ससुर ने भी दी जान, पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव

संवाद न्यूज एजेंसी, शाहजहांपुर। कांट थाना क्षेत्र में गांव हटीपुर कुरिया निवासी सर्वेश की 30 वर्षीय पत्नी सुमित्रा की उसके ससुर राजपाल ने कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। वह बहू को गांव में जाने से रोकता था। बताते हैं कि मंगलवार की रात आरोपी ने शराब के नशे में हत्या की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उसने भी आत्महत्या कर ली। गांव के बाहर पेड़ पर उसका शव लटका मिला।

शराब पीकर आया था ससुर

ट्रक चलाने वाले सर्वेश ने सात साल पहले मध्यप्रदेश के सतना की रहने वाली सावित्री से विवाह किया था। सावित्री का दूसरा विवाह होने के चलते उसके साथ सात साल की बेटी रागिनी भी आई थी। सर्वेश ट्रक लेकर गया हुआ था। बताया गया है कि मंगलवार रात राजपाल शराब पीकर आया और उसने हंगामा किया था। बताते हैं कि उसके मना करने के बावजूद सावित्री गांव में दावत में चली गई थी।

कुल्हाड़ी से किए छह–सात वार

रात में राजपाल को लोगों ने समझाकर शांत कर दिया। आधी रात में किसी समय राजपाल ने कुल्हाड़ी से छह–सात वार कर सावित्री की हत्या कर दी। मृतका के कान, गर्दन और हाथ आदि पर कुल्हाड़ी से वार किए गए। सुबह सात साल की रागिनी जागी तो उसे मां बिस्तर पर नहीं मिली। उसने बाहर निकलकर देखा तो मकान में ही सावित्री का खून से लथपथ शव पड़ा मिला।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

मां का शव देख बेटी चीख पड़ी। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग जुट गए। आरोपी की पत्नी भी मानसिक रूप से कमजोर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। एसपी राजेश द्विवेदी, एसपी सिटी देवेंद्र कुमार और सीओ सदर प्रयाक जैन भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों को लगाया। सुबह करीब 11 बजे उसका शव गांव के बाहर पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। हत्या की वजह क्या रही, इसका पता नहीं चल सका है।

धन वर्षा गिरोह–तंत्र क्रिया गैंग का एक और सदस्य पकड़ा

मुरादाबाद। पुलिस ने धन वर्षा के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य बबलू को गिरफ्तार किया है। उसके पास से तांत्रिक क्रिया और महिलाओं के कई वीडियो मिले। गिरोह के सदस्य गरीब परिवारों के लड़कों और लड़कियों की तस्करी कर यौन शोषण और वन्य जीव तस्करी करते थे। धन वर्षा के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से मिले मोबाइल में धनवर्षा तांत्रिक क्रिया के लिए लड़कियों की फीते से नापते हुए वीडियो व धनवर्षा कराते हुए की व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो का आदान प्रदान और कई वीडियो रिकॉर्डिंग पाई गई हैं। पैरों का मिलान, हाथों का मिलान करते जैसे कई वीडियो मिली हैं। आरोपी खेती छोड़ अधिक पैसा कमाने के लालच में धन वर्षा गिरोह से जुड़ा था। 21 मार्च को थाना धनारी पर राजपाल द्वारा सूचना दी गई कि 11 मार्च को वह अपनी मां की कमर दर्द का इलाज कराने के लिए लाखन के पास गया था।

जेल में मुस्कान की नई सहेली...

वो भी पति की कातिल–मेरठ में लाश के सामने बायफ्रेंड से मांग में सिंदूर भरवाया, अब दोनों प्रेग्नेंट

मेरठ। जिला जेल में 19 मार्च से बंद मुस्कान को जेल में नई सहेली मिली है। उसका नाम संगीता है, वह भी 3 महीने की प्रेग्नेंट है। मुस्कान को सामान्य बैरक से हटाकर अलग बैरक में रखा गया है। यहां मुस्कान और संगीता, दोनों साथ में रहती हैं। दोनों की क्रिमिनल हिस्ट्री भी तीन पॉइंट पर एक जैसी है। पहला– दोनों ने ब्वॉयफ्रेंड के साथ मिलकर अपने–अपने पतियों को मार डाला। दूसरा– दोनों ही महिलाएं पति को मारकर बॉयफ्रेंड से शादी करना चाहती थीं। तीसरा– दोनों के प्रेग्नेंसी की बात जेल में कन्फर्म हुई। अभी तक किसी को पता नहीं है कि उनके गर्भ में पल रहा बच्चा पति से है या बॉयफ्रेंड का है। जेल प्रशासन से दैनिक भास्कर ने नए सिरे से बातचीत की। सामने आया कि इस वक्त संगीता और मुस्कान की एक जैसी डाइट और रूटीन है। जेल मैनुअल के मुताबिक, डॉक्टर उनकी देखभाल कर रहे हैं। अभी तक किसी तरह का कोई हेल्थ इश्यू सामने नहीं आया है।

ब्वॉयफ्रेंड पति को बाइक पर लेकर गया, मार डाला

संगीता के अपराध की कहानी 25 फरवरी, 2025 को शुरू होती है। जानी इलाके के गांव कुसेड़ी के जंगल में एक युवक की लाश मिली। उसके पास से जो पेपर मिले, उससे सामने आया कि वह अजय उर्फ बिट्टू (28) है। वह देहरादून में जॉब करता था। मेरठ में अपने ताऊ के पोते की शादी में शामिल होने आया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर और चेहरे को भारी चीज से कुचलने की बात सामने आई। सिर की हड्डी टूट गई थी। जांच शुरू हुई। परिवार के सदस्यों की मोबाइल कॉल डिटेल में पत्नी संगीता पर शक गहराया। उसने एक खास नंबर पर लगातार और लंबी बातचीत की थी। इस नंबर की लोकेशन गाजियाबाद में मिली। यह नंबर अवनीश था, जो उसका रिश्तेदार था। अवनीश को पकड़े जाने के बाद संगीता के साथ उसका अफेयर भी सामने आया।

अब मुस्कान और संगीता के अपराध में 4 समानताएं

1. भाई ने मर्डर केस पुलिस तक पहुंचाया

सौरभ के बड़े भाई राहुल की तरह अजय के भाई हरिओम ने थाने पहुंचकर अपने भाई की हत्या का केस दर्ज कराया था। मुस्कान ने साहिल की मदद से पति को रास्ते से हटाया, इधर संगीता ने अपने ब्वॉयफ्रेंड अवनीश की मदद से अजय की हत्या कराई।

2. पति की गैर मौजूदगी में बॉयफ्रेंड से रिलेशन बनाए

सौरभ घर से दूर लंदन में रहकर जॉब करता था। मुस्कान यहां मेरठ में अकेली रहती और वो साहिल के करीब आ गई। इसी तरह संगीता का पति अजय देहरादून में रहकर जॉब करता था। अजय भी कभी–कभी मेरठ आता था, संगीता भी घर पर अकेली रहती। इसी अकेलेपन में उसकी दोस्ती अवनीश से हो गई। दोनों बेहद करीब आ गए। दोनों ने अपने–अपने पति की मौजूदगी में बॉयफ्रेंड से रिलेशन बनाए थे।

3. दोनों के पति 22 फरवरी को ही मेरठ आए

सौरभ की हत्या 3 मार्च की रात को हुई, मगर वो मेरठ में 22 फरवरी को आया था। ठीक इसी तरह अजय की हत्या 25 फरवरी को हुई, मगर वो 22 फरवरी को ही मेरठ आया था। अजय बहन की शादी के लिए मेरठ आया था।

4. दोनों का मकसद, पति की हत्या, ब्वॉयफ्रेंड से शादी

मुस्कान सौरभ को रास्ते से हटाकर साहिल से शादी करना चाहती थी। इसी तरह संगीता ने अपने पति अजय को सिर्फ इसलिए मरवा दिया, ताकि बॉयफ्रेंड अवनीश से शादी कर सके। उससे पहले ही दोनों पकड़ी गईं। मुस्कान की एक बेटी पीहू है। जबकि संगीता के 2 बेटे हैं। मेरठ जिला जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया, जेल में 2 महिला बंदी गर्भवती हैं। दोनों की डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन के बाद जांच कराई, अल्ट्रासाउंड भी कराया गया। जिसमें प्रेग्नेंसी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

सौरभ हत्याकांड की आरोपित उसकी पत्नी मुस्कान डेढ़ महीने और जानी कुसैढ़ी के अजय हत्याकांड की आरोपित उसकी पत्नी संगीता 3 महीने की गर्भवती है। मुस्कान 19 मार्च से और संगीता लगभग 28 फरवरी से मेरठ जेल में बंद हैं। दोनों को जेल मैनुअल के अनुसार डाइट, दवाएं दी जा रही हैं। दोनों को एक ही बैरक में रखा गया है।

दोनों शादी करना चाहते थे, इसलिए अजय को मार डाला

पूछताछ में सामने आया कि संगीता और अवनीश शादी करना चाहते थे, इसलिए अजय को रास्ते हटाने की प्लानिंग की थी। 24 फरवरी की रात को अवनीश अजय को बाइक पर बैठाकर खेत पर ले गया, दोनों ने साथ में शराब पी। अजय जब ज्यादा धुत हो गया, तब उसका सिर हैंडपंप से लड़ा दिया। अजय भागने लगा तो अवनीश उसे दबोच लिया और गला घोंटकर मार दिया। पुलिस ने 48 घंटे के अंदर ही संगीता, अवनीश और उसकी बहन पूनम को पकड़ लिया। उन्होंने पुलिस के सामने अपना जुर्म भी कबूल किया। अजय की हत्या मामले में 28 फरवरी से संगीता, बहन पूनम, प्रेमी अवनीश जेल में बंद हैं। अब संगीता भी 3 महीने की प्रेग्नेंट है। चर्चा चल रही है कि उसका बच्चा पति अजय का है या बॉयफ्रेंड अवनीश का।

ब्वॉयफ्रेंड से डेडबॉडी बाइक पर मंगवाकर देखी

संगीता को जब अवनीश ने कॉल करके कहा कि अजय को मार दिया है। तब उसने कहा कि मुझे आखिरी बार अजय की शक्ल दिखा दो। तब अवनीश और आशू मिलकर अजय की डेडबॉडी को बाइक पर उसके घर तक लेकर गए। अवनीश ने संगीता की मांग में सिंदूर भरा। संगीता ने इसके बाद अपने पति अजय का चेहरा देखा था। फिर लाश को जंगल में फेंक दिया।

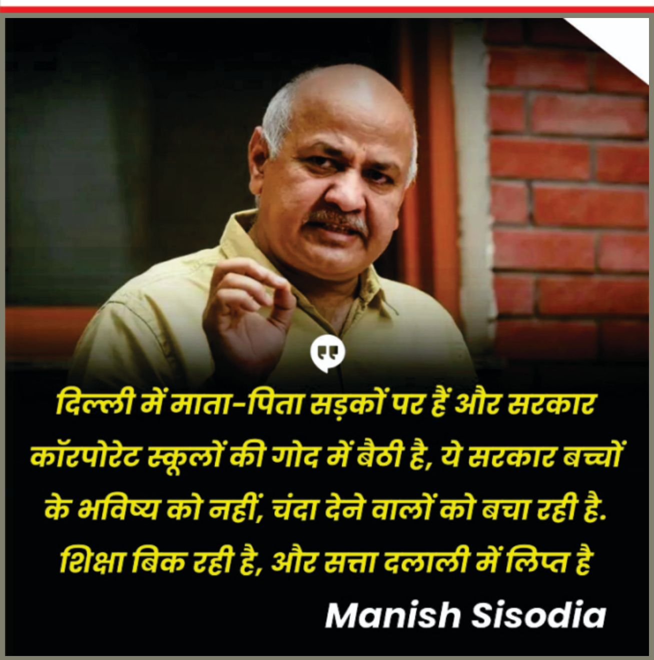

प्रवीण हत्याकांड–इंस्टा पर खुद को ये दिखाती थी रवीना

हत्या से पहले ही कातिल पत्नी ने किया रिश्ते का कत्ल

भिवानी,एजेंसी। प्रवीण हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। कातिल पत्नी ने हत्या से पहले ही रिश्ते का कत्ल कर दिया था। रवीना शॉर्ट वीडियो में कभी मां तो कभी पत्नी और भाभी का किरदार निभाती थी, एक वीडियो के दो से ढाई हजार मिलते थे। इंस्टाग्राम पर यूट्यूबर सुरेश से प्यार हुआ था। इंस्टाग्राम पर यूट्यूबर सुरेश से करीब डेढ़ साल पहले नजदीकियां बनाने वाली भिवानी की रवीना ने पति की हत्या से काफी पहले ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर रिश्तों से दूरियां बना ली थी। उसने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद को सिंगल मदर दर्शाया था, जबकि वह अपने पति प्रवीण और छह साल के बेटे मुकुल के साथ रहती थी। रवीना ने इंस्टाग्राम के साथ यूट्यूब चैनल भी बनाया हुआ था। इसमें शॉर्ट वीडियो में वह कभी मां तो कभी पत्नी और कभी भाभी का किरदार निभाती थी। उसे इस किरदार के दो से ढाई हजार रुपये प्रति शॉर्ट वीडियो मिलते थे।

इन किरदारों में प्रेम का प्रदर्शन तो था लेकिन उसके जीवन में अपनों से कोई प्रेम नहीं था। रोल की दुनिया में खो चुकी रवीना ने न केवल अपने पति का गला घोंटा, बल्कि हर उस रिश्ते का भी कत्ल दिया, जो उसका करीबी था।

बेटे और पति के साथ भी इंस्टाग्राम पर कई वीडियो

रवीना ने इंस्टाग्राम अकाउंट में खुद को सिंगल मदर दर्शाया हुआ था। उसने लिखा है कि वह कर्म में विश्वास करती है। पति प्रवीण और और छह साल के बेटे मुकुल के साथ भी इंस्टाग्राम पर कई वीडियो हैं, लेकिन उसने सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) अकाउंट पर खुद को अकेली मां व महिला दर्शाया था। रवीना का मकसद भी स्पष्ट था उसके पति के साथ रिश्ते अच्छे नहीं थे। पति शराब पीता और ज्यादा कमाता भी नहीं था। इस वजह से भी रिश्तों में दूरियां बनी थी। सबसे अहम रवीना शॉर्ट वीडियो बनाने लगी तो उसकी थोड़ी बहुत कमाई भी होने लगी थी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर रवीना एक उभरते हुए कलाकार के रूप में भी खुद को देखने लगी थी। पति के साथ रहना उसे रास नहीं आ रहा था, इसी वजह से उसने प्रेमी के साथ मिलकर पति को रास्ते से ही हटा दिया।

यह था मामला

भिवानी में महिला के सिर पर यूट्यूब और इंस्टा पर रील बनाने का ऐसा जुनून सवार हुआ कि उसने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर डाली और शव दिनोद रोड गंदे नाले में फेंक दिया।

हत्या के 19 दिन बाद 12 अप्रैल को पुलिस ने पति की हत्या करने वाली महिला और उसके यूट्यूबर प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने यूट्यूबर से अवैध संबंधों में आड़े आने पर पति को चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करने का गुनाह भी कबूल लिया है।

पुराना बस स्टैंड क्षेत्र गुजरों की ढाणी निवासी प्रवीण (35) की रेवाड़ी के गांव जुड़ी निवासी रवीना (32) से शादी हुई थी। प्रवीण का छह साल का बेटा मुकुल है। प्रवीण के पिता सुभाष ने बताया कि उसके बेटे के साथ रवीना की अनबन रहती थी। रवीना यूट्यूब पर वीडियो और शार्ट वीडियो बनाती है और हांसी के प्रेमनगर निवासी सुरेश यूट्यूबर के साथ डेढ़ साल से संपर्क में है। आशंका जताई कि दोनों के अवैध संबंध के चलते उसकी पुत्रवधू ने ही उसके बेटे की हत्या की है।

सुभाष ने बताया कि 25 मार्च को रवीना घर आई थी और दिन में प्रवीण के साथ झगड़ा किया था। रात को प्रवीण घर था, लेकिन सुबह वह नहीं मिला। उसका बेटा ऑटो रिक्शा चलाता था। बेटे के बारे में जब पुत्रवधू से पूछा तो उसने प्रवीण के लापता होने से अनभिज्ञता जताई। 28 मार्च को उसका शव दिनोद रोड पर गंदे नाले में मिला।

सीसीटीवी से खुला राज

प्रवीण के परिजनों ने अपने स्तर पर घर से निकलने वाले सभी रास्तों की उस दिन की सीसीटीवी फुटेज निकलवाई। इसमें हत्या वाली देर रात करीब दो से ढाई बजे के बीच रवीना और हेलमेट पहनकर बाइक चलाने वाला व्यक्ति प्रवीण को कपड़े में बेसुध हालत में लपेटकर ले जाते हुए दिखा था। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने प्रारंभिक तथ्य जुटाने के बाद दोनों को राउंडअप कर सख्ती से पूछताछ की तो पत्नी ने पुलिस के सामने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या का राज उगल डाला।

प्रवीण की चुन्नी से गला घोंटकर की हत्या

सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद रवीना ने बताया कि यूट्यूबर सुरेश के साथ उसके अवैध संबंध हैं। पति बार–बार उससे दूर रहने का दबाव बना रहा था। इसी के चलते वह 25 मार्च को घर आई थी। उसी रात उसने चुन्नी से गला घोंटकर पति की हत्या की और फिर प्रेमी सुरेश के साथ मिलकर देर रात को सबके सो जाने के बाद बाइक पर बीच में बैठाकर शव को दिनोद रोड ड्रेन में ठिकाने लगा डाला।

प्रवीण ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखा

पुलिस रिमांड के दौरान यूट्यूबर सुरेश ने पुलिस को बताया कि रवीना के साथ इंस्टाग्राम पर उसकी जान पहचान हुई और फिर वे साथ में शॉर्ट वीडियो बनाने लगे। करीब डेढ़ साल से रवीना उसके संपर्क में थी, जिसकी भनक उसके पति को लग चुकी थी। हत्या के दिन रवीना के घर पर ही प्रवीण ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था, जिसके बाद उसकी हत्या की गई। प्रवीण की हत्या के बाद दिनभर रवीना नॉर्मल रही और शाम को भी जब परिजनों ने उससे प्रवीण के बारे में पूछा तो उसने पता नहीं होने का नाटक किया। देर रात करीब ढाई बजे जब सब सो गए तो बाइक पर रवीना और सुरेश ने बीच में शव रखकर करीब छह किलोमीटर दूर दिनोद रोड ड्रेन में ले जाकर ठिकाने लगा दिया।

छह साल के मुकुल के सिर से उठा पिता का साया, छीन गया मां का प्यार

पुराना बस स्टैंड क्षेत्र गुजरों क ी ढाण ी

निव ासी

प्रवीण और रवीना का छह साल का बेटा मुकुल है। प्रवीण की हत्या के बाद मुकुल के सिर से पिता का साया उठ गया। वहीं हत्या के जुर्म में मां रवीना के जेल चले जाने के बाद मां का प्यार और दुलार भी छीन गया। मुकुल अब अपने दादा सुभाष और चाचा संदीप के पास रह रहा है।

इंस्टाग्राम पर रवीना के 34 हजार से अधिक फश्वलोअर

रवीना सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती थी। उसका इंस्टाग्राम पर रवीना राव के नाम से अकाउंट भी बना है जिस पर 34 हजार से अधिक फॉलोअर हैं और उसकी 659 पोस्ट भी डाली हैं, जिसमें उसकी शॉर्ट वीडियो और डांस की वीडियो हैं। इसके अलावा यूट्यूब पर भी उसकी काफी शॉर्ट वीडियो सीरीज डाली गई हैं। इसमें अन्य कलाकार भी हैं। रवीना पर इंस्टाग्राम का ऐसा भूत सवार था कि परिवार के मना करने पर भी वह उनके खिलाफ जाकर ये सब करती थी। पति से इस बात को लेकर कई बार उसका झगड़ा हो चुका था। हत्या के दिन 25 मार्च को वह घर आई थी, इससे पहले वह शॉर्ट वीडियो बनाने के लिए काफी दिनों से बाहर थी। पुलिस ने परिजनों के शक और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर प्रवीण की पत्नी रवीना और युवक सुरेश से पूछताछ की तो उन्होंने प्रवीण की हत्या की बात कबूल कर ली। रवीना और सुरेश के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। रवीना और उसके प्रेमी को पति प्रवीण की हत्या के मामले में न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा चुका है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच पड़ताल में जुटी है। जो भी नए तथ्य सामने आएंगे। उन्हें भी तफ्तीश में शामिल किया जाएगा।– नरेंद्र कुमार, एसएचओ, सदर पुलिस थाना।

42 साल की एक्ट्रेस ने पूल में लगाया ग्लैमर का तड़का

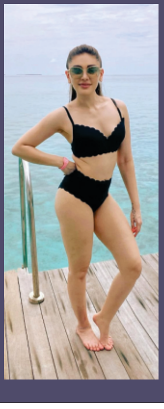

36 साल की सुमोना चक्रवर्ती कर रही हैं बैचलर लाइफ एंजाय

टीवी एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती बीते दिनों समंदर किनारे छुट्टियां मना रही थीं, जहां की अब उन्होंने अपनी दिलकश तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। बिकिनी में उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं, जिसे देखकर फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे।

सुमोना चक्रवर्ती ने समंदर किनारे से शेयर की सिजलिंग फोटोज
फैंस ने सुमोना से कपिल शर्मा के शो में वापसी की इच्छा जताई
सुमोना चक्रवर्ती एंडोमेट्रियोसिस बीमारी से लड़ाई कर रही हैं

मनीषा रानी को आया ब्लू ड्रम वाले गाने पर गुस्सा

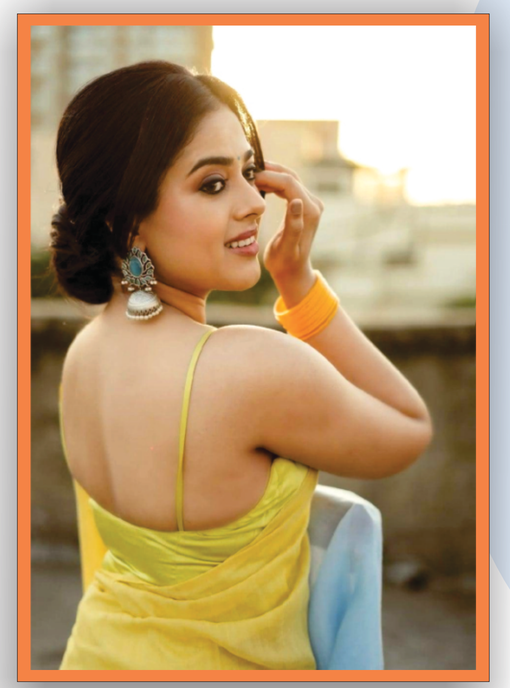

एंटरटेनमेंट डेस्क। मेरठ में हुए सौरभ हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर काफी समय से फनी वीडियो बनाए जा रहे थे। हाल ही में इसी हत्याकांड से प्रेरित होकर एक भोजपुरी गाना भी बनाया गया है। इस बात से इंफ्लुएंसर मनीषा रानी काफी नाराज हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर टेलीकास्ट हुए रियालिटी शो 'बिग बॉस 2' से मशहूर हुई इंफ्लुएंसर मनीषा रानी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, उसमें वह कंटेंट क्रिएट करने वाले लोगों पर काफी गुस्सा हैं। दरअसल, कुछ समय से सोशल मीडिया पर नीले ड्रम को लेकर कई तरह के फनी वीडियो देखने को मिले। हाल ही में एक भोजपुरी गाना भी नीले ड्रम को लेकर बनाया गया है। इस नीले ड्रम का कनेक्शन मेरठ में हुए सौरभ मर्डर केस से है। मेरठ में एक पत्नी ने अपने पति को प्रेमी के साथ मिलकर मारा और फिर नीले ड्रम में डालकर ऊपर से सीमेंट डाल दिया। मनीषा ने जैसे ही इस घटना को आधार बनाकर बनाए गए भोजपुरी गाने को देखा तो वह बहुत दुखी हुई। वह ऐसा कंटेंट क्रिएट करने वालों को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए खरी–खोटी सुनाती दिखीं। जानिए, मनीषा रानी ने क्या कहा?

किसी की मौत का मजाक बना दिया

मनीषा रानी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई वीडियो में कहती हैं, 'मैंने अभी एक भोजपुरी गाने का वीडियो देखा 'ड्रम में राजा'। यह गाना मेरठ में हुए हत्याकांड से प्रेरित है। ऐसा गाना बनाने वालों को शर्म आनी चाहिए, यहां पर किसी की जान चली गई है और आपने इस टॉपिक को मजाक बनाकर रख दिया।

रणदीप हुड्डा ने 'रंग दे बसंती' का ठुकराया था ऑफर

मुम्बई। रणदीप हुड्डा इन दिनों फिल्म जाट को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके विलेन के किरदार को काफी पसंद किया जा रहा है। इसी बीच रणदीप ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि अपने फिल्मी करियर में उन्होंने कई ऐसे फैसला लिए था, जिसका पछतावा उन्हें आज भी है। उन्होंने माना कि शायद उन्हीं फैसलों की वजह से उनका करियर वो ऊंचाइयां नहीं छू पाया, जो छू सकता था।शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में रणदीप हुड्डा पूछा गया कि क्या उन्होंने घमंड के कारण कभी कोई फिल्में गंवाई हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उन्होंने रंग दे बसंती जैसी बड़ी फिल्म को ठुकरा दिया था।

रणदीप ने कहा, 'मुझे फिल्म में भगत सिंह का रोल ऑफर हुआ था। मैंने ऑडिशन भी दिया था और उन्हें मेरा काम पसंद आया था। राकेश ओमप्रकाश मेहरा मुझसे कई बार मिलने आते थे। फिल्म के डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा कभी–कभी नशे में गाड़ी चलाते हुए मेरे पास आते थे और मुझसे कहते थे कर ले, कर ले पिक्चर कर ले कहते थे।' रणदीप की मानें तो वो रंग दे बसंती फिल्म करना चाहते थे, लेकिन उस समय फिल्म इंडस्ट्री में वह केवल दो लोगों को ही जानते थे। अपनी उस वक्त की गर्लफ्रेंड और निर्देशक राम गोपाल वर्मा को।रणदीप ने बताया कि उनकी गर्लफ्रेंड को इस फिल्म में कोई दिलचस्पी नहीं थी और उसने उन्हें सलाह दी कि इतना छोटा रोल नहीं करना चाहिए।

ड्रग्स लेने वाले अभिनेता ने सेट पर की थी गंदी हरकत

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म इंडस्ट्री में ड्रग्स से जुड़े मामलों की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं, फिर चाहे वो बॉलीवुड हो, टॉलीवुड या मलयालम सिनेमा। हाल ही में मलयालम एक्ट्रेस विंसी अलोशियस Vincy Aloshious ने इस मुद्दे पर बड़ा और साहसिक बयान दिया है।

उन्होंने साफ कहा कि जो कलाकार ड्रग्स का सेवन करते हैं, वे उनके लिए रेड फ्लैग हैं और वो उनके साथ काम नहीं करेंगी।

ड्रग्स के खिलाफ लिया बड़ा स्टैंड

विंसी हाल ही में एक ड्रग्स विरोधी अभियान से जुड़े इवेंट में शामिल हुई थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा, ष्अगर मुझे ये पता चलता है कि मेरे को–स्टार ड्रग्स लेते हैं, तो मैं उनके साथ काम नहीं करूंगी।ष विंसी का कहना है कि उन्होंने यह फैसला अपने निजी अनुभवों के आधार पर लिया है। एक्ट्रेस ने कहा कि एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें काफी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा था, जिसकी वजह उनका को–एक्टर था जो ड्रग्स का सेवन करता था।

मलयालम एक्टेस का बड़ा खुलासा को–स्टार ने सेट पर की थी बदतमीजी वीडियो शेयर कर बताया पूरा मामला

इस वक्त सुर्खियों में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने ड्रग्स लेने वाले एक्टर्स के साथ काम न करने की बात कही है। अभिनेत्री ने अपने साथ फिल्म के सेट पर हुई एक खराब हरकत का भी जिक्र किया है जिसे जानकार आप लोग चौंक जाएंगे। आइए बताते हैं विंसी ने क्या गंभीर खुलासे किए हैं।

वायरल क्लिप की बात कर रो पड़ीं त्रिशा

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में भोजपुरी अभिनेत्री त्रिशाकर मधु ने अपने चमकते करियर में अचानक ब्रेक लग जाने के बारे में बात की। उन्होंने अपने वायरल हुए एमएमएस का खोला राज। उनके करीबी का था इसमें हाथ और इंडस्ट्री के बड़े ग्रुप के शामिल होने की बात भी कही। भोजपुरी की दुनिया में एक समय त्रिशाकर मधु का नाम सिर चढ़ कर बोला करता था, लेकिन एक वीडियो ने उनके जीवन को तबाह कर दिया था। अब इस वीडियो के बारे में अभिनेत्री ने खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके इस करीबी ने की घिनौनी हरकत। जानिए पूरी खबर।

कब और कैसे वायरल हुआ वीडियो?

भोजपुरी अभिनेत्री हाल ही में निधि झा के पॉडकास्ट में पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों के बारे में बात की। इस दौरान उनसे उनके उस वायरल वीडियो के बारे में पूछा गया, जिसने उनकी जिंदगी तबाह कर दी। इसके जवाब में अभिनेत्री ने बताया कि यह उस समय की घटना है, जब उन्होंने खेसारी लाल यादव के साथ श्बोल बमश गाना किया था। अभिनेत्री ने बताया कि इस गाने के लगभग एक महीने बाद उनके फोन में उनकी एक अश्लील तस्वीर आई और धमकी मिली, लेकिन वह डरी नहीं। इसके बाद उन्हें लगातार कई धमकियां मिलीं और उनके कई छोटे–छोटे अश्लील क्लिप वायरल होने लगे।

क्या खेसारी और पवन सिंह का है हाथ?

अपने इस वायरल वीडियो पर बात करते हुए त्रिशा ने कहा कि इस वीडियो को वायरल कराने में उनके ही रूम में रहने वाली लड़की का हाथ था। हालांकि, उन्होंने लड़की का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि लड़की ही लड़की की दुश्मन होती है। इसके अलावा त्रिशा ने बताया कि इसमें किसी बड़े ग्रुप का भी हाथ था। अभिनेत्री ने सवाल किया कि क्या वह इसके लिए खेसारी और पवन सिंह को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता है इनका हाथ है, लेकिन कोई बड़ा ग्रुप जरूर शामिल है।

वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड का नाम रखे जाने पर गदगद हुए रोहित शर्मा

स्पोर्ट्स डेस्क। वानखेड़े स्टेडियम में दिवेचा पवेलियन के लेवल तीन का नाम रोहित के नाम पर रखा जाएगा। भारत ने रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2024 और चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत है। भारतीय कप्तान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर उनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखे जाने पर गदगद हुए। वह अपने सफर को याद करते हुए भावुक हो गए और उन्हें इस कदम को अवास्तविक अहसास करार दिया। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने हाल ही में वार्षिक आम बैठक के दौरान रोहित के नाम पर एक स्टैंड करने का फैसला किया था। रोहित मुंबई के ही रहने वाले हैं और उन्होंने इस स्टेडियम पर कई यादगार पारियां खेली हैं।

एमसीए ने लिया था फैसला

एमसीए ने रोहित के अलावा पूर्व कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष और आईसीसी के चेयरमैन शरद पवार के नाम पर एक स्टैंड का नाम रखने की घोषणा की थी। वानखेड़े स्टेडियम में दिवेचा पवेलियन के लेवल तीन का नाम रोहित के नाम पर रखा जाएगा। भारत ने रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2024 और चापियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत है।

रोहित ने शुरुआती दिनों को याद किया

रोहित ने कहा, जब कोई क्रिकेट खेलना शुरू करता है तो कोई इस तरह की चीजों का सपना नहीं देखता है। मुझे अभी भी वे दिन याद हैं जब मैं मुंबई रणजी ट्रॉफी टीम का अभ्यास देखने के लिए वानखेड़े स्टेडियम के बाहर खड़ा रहता था। मैं 2004 या शायद 2003 की बात कर रहा हूं। हम आजाद मैदान में अपनी अंडर–14, अंडर–16 की ट्रेनिंग पूरी करते थे। मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ रेलवे ट्रैक पार करके रणजी ट्रॉफी के कुछ क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए जाता था। रोहित ने कहा, मुझे पता है कि उस समय वानखेड़े स्टेडियम के अंदर जाना कितना मुश्किल था।

अब भी, जाहिर है, किसी भी अजनबी लोगों को स्टेडियम के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी, लेकिन वो दिन भी अच्छे थे। अब, बैठकर यह सोचना कि मेरे नाम पर एक स्टेडियम स्टैंड होने जा रहा है, यह एक अवास्तविक अहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी नहीं सोचा था और मैं अपने जीवन में इस बड़े सम्मान के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।

लारा दत्ता का करियर

- 16 अप्रैल 1978 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जन्म हुआ
- लारा पंजाबी हिंदू परिवार में पैदा हुई थीं, शुरुआती पढ़ाई उत्तर प्रदेश में ही हुई
- 1997 में लारा मिस इंटरकॉन्टिनेंटल बनीं
- 2000 में उन्होंने मिस यूनिवर्स के खिताब पर अपना कब्जा जमाया
- 2003 में फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में डेब्यू
- मस्ती, इंसान, काल, फना, पार्टनर, दूल्हा मिल गया, हे बेबी जैसी फिल्मों में काम किया है

महेश भूपति की इस खूबी पर दिल हार बैठीं लारा दत्ता

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री लारा दत्ता आज 16 अप्रैल को अपना जन्मदिन मना रही हैं। वे साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

अदाकारा लारा दत्ता ने कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। लारा ने अभिनय से पहले मॉडलिंग के जरिए अपना नाम बनाया। फिर, अभिनय की दुनिया में कदम रखे। इससे पहले वर्ष 2000 में उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब भी अपने नाम किया। लारा ने बॉलीवुड फिल्म श्अंदाजश से डेब्यू किया। इसके बाद कई और चर्चित फिल्मों का हिस्सा बनीं। निजी जीवन की बात करें तो लारा ने भारतीय टेनिस स्टार महेश भूपति से शादी रचाई।

महेश भूपति की कंपनी को सौंपी गई ये जिम्मेदारी

सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात बेहद खास थी। ये दोनों ही बंगलूरु से हैं। कहा जाता है कि महेश भूपति ने पहली बार लारा दत्ता को साल 2000 में मिस यूनिवर्स बनने के बाद देखा था। हालांकि, मिस यूनिवर्स से पहले महेश भूपति एक विश्व प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी बन चुके थे। लारा दत्ता को पहली बार देखने के बाद उन्हें पसंद करने लगे थे। इसके बाद इन दोनों की मुलाकात महेश भूपति की एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के संबंध में बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई, जिसमें लारा दत्ता ने महेश की कंपनी को अपने काम का मैनेजमेंट देखने के लिए कहा था।

कैंडिल लाइट डिनर के दौरान किया प्रपोज

महेश भूपति ने लारा दत्ता को अमेरिका में एक कैंडिल लाइट डिनर के दौरान अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया था। इस अंगूठी को महेश ने खासतौर पर खुद ही लारा के लिए डिजाइन करवाया था। उस समय महेश यूएस ओपन खेलने के लिए न्यूयॉर्क गए हुए थे। मीडिया के पूछने पर अक्सर यह दोनों एक–दूजे को अपना सिर्फ दोस्त बताते थे। अपने शांत और हंसमुख स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले महेश भूपति का मैच देखने पहुंची लारा दत्ता उनकी सादगी पर फिदा हो गई थीं।

2011 में रचाई शादी

लारा और महेश भूपति ने सितंबर, 2010 में सगाई की थी। इसके बाद अगले साल 16 फरवरी, 2011 को दोनों ने मुंबई में शादी रचा ली। दोनों ने एक सादगी भरे समारोह में एक–दूजे से शादी रचाई। शादी के 6 महीने बाद लारा ने अनाउंस किया कि वो प्रेग्नेंट हैं। दोनों की एक खूबसूरत बेटी है, जिसका नाम सायरा भूपति है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो०. नं०. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।